# 2018

## सामान्य हिन्दी

### प्रथम प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ] [ पूर्णांक : 50

**निर्देश :** प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1\. क) 'आखिरी चट्टान' की रचना-विधा है

i) 'संस्मरण'

ii) 'यात्रावृत्तान्त'

iii) 'उपन्यास'

iv) 'कहानी' । 1



Scanned with CamScanner

ख) 'आलोचना-साहित्य' से सम्बन्धित कृति है

i) 'विचार-प्रवाह'

ii) 'हिन्दी साहित्य का आदिकाल'

iii) 'साहित्य-सहचर'

iv) 'सन्देश-रासक' । 1

ग) 'पाणिनिकालीन भारत' शोध प्रबन्ध है

i) वासुदेवशरण अग्रवाल का

ii) मोहन राकेश का

iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी का

iv) हरिशंकर परसाई का । 1

घ) 'वसुधा' नामक पत्रिका का सम्पादन-प्रकाशन किया था

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' ने

ii) हरिशंकर परसाई ने

iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी ने

iv) जैनेन्द्र कुमार ने । 1



Scanned with CamScanner

ङ) 'दीप जले शंख बजे' के लेखक हैं

i) प्रो०जी० सुन्दर रेड्डी

ii) 'अज्ञेय'

iii) अमृत राय

iv) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' । 1

2. क) 'छायावादोत्तर काल' के कवि हैं

i) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

iv) मैथिलीशरण गुप्त । 1

ख) निम्न में से किन्हें 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' नहीं मिला है ?

i) जयशंकर प्रसाद को

ii) महादेवी वर्मा को

iii) सुमित्रानन्दन पन्त को

iv) रामधारी सिंह 'दिनकर' को 1

ग) जयशंकर प्रसाद द्वारा ब्रजभाषा में रचित काव्य संग्रह है

i) 'चित्राधार' ii) 'कामायनी'

iii) 'लहर' iv) 'आँसू'। 1



Scanned with CamScanner

घ) 'वैदेही-वनवास' काव्यकृति है

i) खण्डकाव्य ii) मुक्तककाव्य

iii) महाकाव्य iv) चम्पूकाव्य । 1

ङ) 'ग्रन्थि' काव्यसंग्रह के रचयिता हैं

i) सुमित्रानन्दन पन्त

ii) महादेवी वर्मा .

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iv) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' । 1

3. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2 + 5 = 7

i) नश्तर तेज था, चुभन गहरी, पर मदर का कलेजा उससे अछूता रहा । बोलीं, "हिटलर बुरा था, उसने लड़ाई छेड़ी, पर उससे इस लड़की का भी घर ढह गया और मेरा भी; हम दोनों एक ।" 'हम दोनों एक' मदर टेरेजा ने झूम में इतने गहरे डूबकर कहा कि जैसे मैं उनसे उनकी लड़की को छीन रहा था और उन्होंने पहले ही दाँव में



Scanned with CamScanner

मुझे चारों खाने दे मारा । मदर चली गई, मैं सोचता रहा : मनुष्य-मनुष्य के बीच मनुष्य ने ही कितनी दीवारें खड़ी की हैं — ऊँची दीवारें, मजबूत फौलादी दीवारें, भूगोल की दीवारें, जाति-वर्ग की दीवारें, कितनी मनहूस, कितनी नगण्य, पर कितनी अजेय !

ii) ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निन्दा भी होती है । लेकिन इसमें वह मजा नहीं, जो मिशनरी भाव से निन्दा करने में आता है । इस प्रकार का निन्दक बड़ा दुःखी होता है । ईर्ष्या-द्वेष से चौवीसों घंटे जलता है और निन्दा का जल छिड़ककर कुछ शान्ति अनुभव करता है । ऐसा निन्दक बड़ा दयनीय होता है । अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की सक्षमता के चाँद को देखकर सारी रात श्वान-जैसा भौंकता है । ईर्ष्या-द्वेष से प्रेरित निन्दा करनेवालों को कोई दंड देने की जरूरत



Scanned with CamScanner

नहीं है । वह निन्दक वेचारा स्वयं दण्डित होता है । आप चैन से सोइए और वह जलन के कारण सो नहीं पाता । उसे और क्या दंड चाहिए ? निरन्तर अच्छे काम करते जाने से उसका दंड सख्त होता जाता है । जैसे एक कवि ने एक अच्छी कविता लिखी, ईर्ष्याग्रस्त निन्दक को कष्ट होगा । अव अगर एक और अच्छी लिख दी तो उसका कष्ट दुगुना हो जायगा ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) 'विना संस्कृति के जन की कल्पना कवन्धमात्र है; संस्कृति ही जन का मस्तिष्क है ।'

ii) 'पण्डिताई भी एक वोझ है — जितनी ही भारी होती है, उतनी ही तेजी से डुवाती है।'

iii) 'नित्य नूतनता किसी भी सर्जक की मौलिक उपलब्धि की प्रामाणिकता सूचित करती है ।'



Scanned with CamScanner

4. (क) निम्नलिखित अवतरणों में से किसी **एक** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2 + 5 = 7

i) घिर रहे थे घुँघराले बाल
अंश अवलंबित मुख के पास,
नील घन-शावक-से सुकुमार
सुधा भरने को विधु के पास ।
और उस मुख पर वह मुसक्यान
रक्त किसलय पर ले विश्राम;
अरुण की एक किरण अम्लान
अधिक अलसाई हो अभिराम ।

ii) यह मनुज, ब्रह्माण्ड का सबसे सुरम्भ प्रकाश,
कुछ छिपा सकते न जिससे भूमि या आकाश।
यह मनुज, जिसकी शिखा उद्दाम,
कर रहे जिसको चराचर भक्तियुक्त प्रणाम ।
यह मनुज, जो सृष्टि का शृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार।
'व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय',
पर, न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय।
श्रेय उसका, बुद्धि पर चैतन्य उर की जीत;
श्रेय मानव की असीमित मानवों से प्रीत।



Scanned with CamScanner

(ख) निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 1 + 2 = 3

i) 'माता न कुमाता, पुत्र कुपुत्र भले ही ।'

ii) 'चार दिन सुखद चाँदनी रात और फिर अन्धकार अज्ञात ।'

iii) 'काँटा कठोर है, तीखा है, उसमें उसकी मर्यादा है ।'

5. निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए :

2 + 2 = 4

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) हरिशंकर परसाई

iii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी । 1907 - 1979.

6. निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए :

2 + 2 = 4

i) जयशंकर प्रसाद 1879 1937.

ii) सुमित्रानन्दन पंत

iii) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' ।



Scanned with CamScanner

7. (क) 'लाटी' **अथवा** 'ध्रुवतारा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । 4

**अथवा**

'पंचलाइट' **अथवा** 'बहादुर' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 4

i) 'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर 'सुनन्दा' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

**अथवा**

'कुहासा और किरण' नाटक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'आन का मान' नाटक की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

**अथवा**

'आन का मान' नाटक के आधार पर 'अजीत सिंह' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।



Scanned with CamScanner

iii) 'सूतपुत्र' नाटक के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

**अथवा**

'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर 'परशुराम' का चरित्रांकन कीजिए ।

iv) 'राजमुकुट' नाटक के आधार पर 'जगमल' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

**अथवा**

'राजमुकुट' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

v) 'गरुडध्वज' नाटक के कथानक पर प्रकाश डालिए ।

**अथवा**

'गरुडध्वज' नाटक के आधार पर 'कुमार विषमशील' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।



Scanned with CamScanner

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी **एक** खण्ड के **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 4

i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

**अथवा**

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की प्रमुख कथा का निरूपण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्रांकन कीजिए ।

iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'महात्मा गाँधी' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

**अथवा**

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।



Scanned with CamScanner

iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रोपदी' का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

vi) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु का वर्णन कीजिए ।

304(AQ) – 3,30,000

934571

Scanned with CamScanner